कृषि विज्ञान केन्द्र, कटिहार

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की 14वीं बैठक दिनांक 13.07.2023 की कार्यवाही का प्रतिवेदन

कृषि विज्ञान केन्द्र, कटिहार की 14वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन डॉ0 डी0 आर0 सिंह, माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में दिनांक 13.07.2023 को कृषि विज्ञान केन्द्र, कटिहार के प्रशिक्षण कक्ष में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ0 आर0 के0 सोहाने, निदेशक प्रसार शिक्षा, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर, मो0 दिलनवाज अहमद, कमांडेंट, बी0एम0पी0, कटिहार, डॉ0 पारसनाथ, सह अधिष्ठाता–सह–प्राचार्य, भोला पासवान शास्त्री कृषि महाविद्यालय, पूर्णियां, डॉ0 कुमारी शारदा, वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान, कृषि विज्ञान केन्द्र, कटिहार, जिला कृषि पदाधिकारी, कटिहार, प्रभारी पदाधिकारी, पाट अनुसंधान केन्द्र, कटिहार, सहायक निदेशक (उद्यान), कटिहार, जिला परियोजना प्रबंधक, जीविका, कटिहार, डी0डी0एम0 नाबार्ड, क्षेत्र अधिकारी, ईफको, मुख्य प्रबंधक, जिला अग्रणी बैंक, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, आई0सी0डी0एस0, कटिहार तथा केन्द्र के सभी वैज्ञानिक तथा जिले के कृषक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

तकनीकी सत्र के दौरान वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान ने केन्द्र की जून 2022 से जून 2023 तक का प्रगति प्रतिवेदन की कार्ययोजना को प्रस्तुत किया। इस बैठक में 13वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक के अनुपालन प्रतिवेदन की भी समीक्षा सम्मानित सदस्यों द्वारा की गई, जिसे सदन द्वारा संपुष्ट किया गया।

उपस्थिति : पंजी संधारित

बैठक में उपस्थित सदस्यों से आपसी विचार विमर्श के उपरांत निम्नलिखित प्रस्ताव सर्वसम्मती से पारित किये गये :

1. माननीय कुलपति महोदय द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, कटिहार में Low cost IFS Model का निर्माण को प्राथमिकता के तौर पर शीघ्र प्रारम्भ करने का निर्देश दिया गया। ।

(अनुपालन–सहायक अभियंता, भो.पा.शा.कृ.महाविद्यालय,पूर्णियां)

2. कुलपति महोदय द्वारा जैविक/प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने हेतु प्रशिक्षण/जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने हेतु निर्देशित किया गया तथा जैविक खेती/प्राकृतिक खेती में प्रगतिशील कृषकों की सफलता की गाथा को प्रचारित व प्रसारित करने को कहा गया । **(अनुपालन– वि.व.वि. (सभी))**

3. कुपोषण उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत चयनित गांव में पोषण वाटिका की स्थापना की जाय एवं इसके उत्पाद को बच्चों को उपलब्ध कराने हेतु प्रयास किया जाय। **(अनुपालन– वि.व.वि. (गृहविज्ञान))**

4. ग्रामीण कृषि मौसम सेवा के अन्तर्गत मौसम एडवाईजरी से कुलपति महोदय को अवगत कराया गया। महोदय द्वारा प्रत्येक प्रखण्डों के कृषकों तथा महिला कृषकों को वाट्सएप ग्रुप से जोड़ने का निर्देश दिया गया साथ हीं जीविका ग्रूप में मौसम एडवाईजरी को भेजने को निर्देशित किया गया। **(अनुपालन– वि.व.वि. (मौसम))**

4. कुलपति महोदय ने बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर द्वारा विभिन्न कृषकों की दिशा व दशा को बदलने वाली विडियो "उम्मीद" को प्रशिक्षण एवं अन्य कार्यक्रमों से पूर्व प्रसारित करने का सूझाव दिया गया। महोदय के द्वारा एक जनजातीय गांव को अंगीकृत कर वहां व्यापक रूप से कार्य करने का सुझाव दिया गया। साथ हीं जनजातीय किसान की सफलता की गांथा तैयार करने का निर्देश दिया गया है। **(अनुपालन– वि.व.वि. (सभी))**

5. कुलपति महोदय ने वर्तमान समय में नैनो यूरिया की उपयोगिता के संबंध में अपना मूल्यवान सूझाव दिये तथा उन्होंने नैनो यूरिया के प्रचार प्रसार हेतु भी सुझाव दिये। **(अनुपालन– वि.व.वि. (सभी))**

6. कुलपति महोदय ने बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर द्वारा उत्पादित तरल जैव उर्वरक पर प्रशिक्षण/अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण आयोजित करने की बात कही जिससे कि जिलें के किसान तरल जैव उर्वरक को अपना सकें। **(अनुपालन– वि.व.वि. (सभी))**

7. कुलपति महोदय द्वारा किसान के यहां उपलब्ध आम चित्तरंजन किस्म के 100–200 पौधे का ग्राफ्टिंग का लक्ष्य दिया गया। **(अनुपालन–वि.व.वि. (उद्यान))**

8. कृषि विज्ञान केन्द्र, कटिहार के "स्थापना दिवस 27 फरवरी" को मनाने का सुझाव कुलपति महोदय द्वारा दिया गया तथा उक्त दिवस को जिलें के संबंधित विभागों के अधिकारियों को आमंत्रित करने के साथ–साथ किसानों का समागम एवं प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करने का सुझाव भी महोदय द्वारा दिया गया। **(अनुपालन– वि.व.वि. (सभी))**

9. जीविका को ग्रामीण कृषि मौसम सेवा के साथ समन्वय स्थापित किया जाय ताकि जिलें के सभी गावों तक कृषि विज्ञान केन्द्र की पहुँच हो। **(अनुपालन– वि.व.वि. (सभी))**

10. कुलपति महोदय ने निर्देशित किए कि RAWE छात्र–छात्राओं को Biofertilizer के प्रचार–प्रसार में शामिल किया जाय ताकि मिट्टी को बचाया जा सके। इस संबंध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करना है। **(अनुपालन– वि.व.वि. (सभी))**

11. कुलपति महोदय ने फसल अवशेष प्रबंधन करने एवं प्रक्षेत्र में फसल अवशेष न जलाने का सुझाव दिए तथा उन्होंने बताया कि फसल अवशेष के जलने से मिट्टी के जीवांश समाप्त हो जाते है जिससे मिट्टी में पोषक तत्व की कमी हो जाती है एवं मिट्टी की उर्वरा शक्ति कम हो जाती है। इस संबंध में किसानों को प्रशिक्षण/जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से जागरूक किया जाय। **(अनुपालन– वि.व.वि. (सभी))**

Sharda
15.7.2023
वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान
कृषि विज्ञान केन्द्र, कटिहार

ज्ञापांक– VIII/KVK, Katihar/ 115 दिनांक– 15.7.2023

प्रतिलिपिः सभी सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति/संबंधित वैज्ञानिक एवं पदाधिकारी, कटिहार को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

Sharda
15.7.2023
वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान
कृषि विज्ञान केन्द्र, कटिहार

प्रतिलिपिः निदेशक प्रसार शिक्षा, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर/सह अधिष्ठाता–सह–प्राचार्य, भो.पा.शा. कृषि महाविद्यालय, पूर्णियां/कमांडेंट, बी0एम0पी0, कटिहार को सूचनार्थ प्रेषित।

Sharda
15.7.2023
वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान
कृषि विज्ञान केन्द्र, कटिहार

प्रति– कुलपति, बि.कृ.वि., सबौर के आप्त सचित को माननीय कुलपति महोदय के अवलोकनार्थ समर्पित।